आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)

रविवार 05.01.2025 समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में वनाग्नि की रोकथाम के लिए पहली बार फॉरेस्ट फायर उत्तराखंड मोबाइल ऐप का उपयोग फील्ड स्तर पर किया जाएगा।
- उत्तराखंड सरकार ने इस साल राज्य भर में 270 संग्रह केंद्रों के माध्यम से तीन हजार एक सौ मीट्रिक टन मंडुए की खरीद की।
- महाकुंभ के दौरान यात्रियों की सुविधाओं के लिए 13 हजार रेलगाड़ियां चलाई जाएंगी।
- **और,** राज्य के ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में कल बर्फबारी की संभावना।

फॉरेस्ट फायर मोबाइल ऐप

प्रदेश में वनाग्नि की रोकथाम के लिए पहली बार फॉरेस्ट फायर उत्तराखंड मोबाइल ऐप का उपयोग फील्ड स्तर पर किया जाएगा। देहरादून में प्रमुख वन संरक्षक की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी फील्ड अधिकारियों को अगले एक सप्ताह में ऐप का अपडेटेड वर्जन डाउनलोड करने और फायर अलर्ट की रिपोर्ट इसी के माध्यम से भेजने के निर्देश दिए गए। अब तक तीन हजार 732 अधिकारी और कर्मचारी यह ऐप डाउनलोड कर चुके हैं और एक हजार 438 क्रू स्टेशनों को इसमे मैप किया जा चुका है। प्रमुख वन संरक्षक ने कहा कि इस मोबाइल ऐप के उपयोग से सूचना मिलने के बाद प्रतिक्रिया में लगने वाला समय कम होगा और वनाग्नि प्रबंधन अधिक प्रभावी होगा। साथ ही, कोई भी व्यक्ति ऐप के माध्यम से आग लगने की सूचना सीधे विभाग को दे सकेगा। वन विभाग ने इस मोबाइल ऐप में अब तक 12 हजार पांच सौ 18 सदस्यों को जोड़ा है। इसमें प्रशासन, आपदा प्रबंधन विभाग, ग्राम प्रधान, वन पंचायतें और स्वयं सहायता समूह शामिल हैं।

मंडुआ खरीद

उत्तराखंड सरकार ने किसानों के लिए बड़ा कदम उठाते हुए इस साल तीन हजार एक सौ मीट्रिक टन मंडुए की खरीद की है। राज्य भर में 270 संग्रह केंद्रों के माध्यम से मंडुआ खरीद का कार्य किया गया। सरकार ने किसानों को चार हजार दो सौ रुपये प्रति कुंतल का समर्थन मूल्य प्रदान किया, जो पिछले वर्षों की तुलना में 68 प्रतिशत अधिक है।

कभी उपेक्षित माने जाने वाले मंडुआ को अब किसान बड़े पैमाने पर उगा रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के चलते मिलेट्स फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। खास बात यह है कि 2022 से मंडुआ की सरकारी खरीद शुरू होने के बाद किसानों को उचित मूल्य मिलने लगा है। सरकार इसे मिड–डे मील, आंगनबाड़ी पोषण कार्यक्रम और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में शामिल कर रही है, जिससे मंडुआ की मांग में तेजी आई है। उत्तराखंड के दूर–दराज के इलाकों में मंडुआ खरीदने के लिए बहुउद्देशीय सहकारी समितियों और किसान संगठनों के सहयोग से केंद्र स्थापित किए गए हैं। साल 2020–21 में जहां ऐसे केंद्रों की संख्या केवल 23 थी, वहीं अब यह बढ़कर 270 हो गई है। सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि किसानों को मंडुए का भुगतान 72 घंटे के भीतर किया जाए। इसके अलावा, किसान संगठनों को 150 रुपये प्रति कुंतल और हर सहकारी समिति को पचास हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि भी दी जा रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य न केवल मंडुआ उत्पादन को बढ़ावा देना है, बल्कि किसानों को इसका अधिकतम लाभ पहुंचाना भी है।

शपथ ग्रहण समारोह

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि पत्रकारों के हितों की रक्षा और उनके कार्य को सुगम बनाने के लिए सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। देहरादून में उत्तरांचल प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री ने मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बताते हुए कहा कि राज्य में पत्रकार कल्याण कोष के कॉर्पस फंड की धनराशि बढ़ा दी गई है। साथ ही पत्रकारों के लिए समूह बीमा योजना शुरू करने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के दूर–दराज से आने वाले पत्रकारों को ठहरने और कामकाज में सहूलियत देने के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी।

रिपोर्ट

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित खारा हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट में हो रहे भूस्खलन की समस्या को देखते हुए उत्तराखंड भूस्खलन न्यूनीकरण एवं प्रबंधन केंद्र (यूएलएमएमसी) ने विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर दी है। यूएलएमएमसी इस प्रोजेक्ट की सतत निगरानी भी करेगा। सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन को सौंपी गई इस रिपोर्ट में भूगर्भीय व भू–तकनीकी सर्वेक्षण के आधार पर समाधान सुझाए गए हैं।

खेलों का प्रचार

उत्तराखंड में आयोजित हो रहे राष्ट्रीय खेलों का प्रचार अब मीडिया इनफ्लुएंसर भी करते नजर आंएगे। खेल मंत्री रेखा आर्या की पहल पर इनफ्लुएंसर और सोशल मीडिया क्रिएटर्स राष्ट्रीय खेलों को विशेष कवरेज देने

के साथ ही उत्तराखंड की संस्कृति, पर्यटन, प्रकृति और खान–पान का को भी राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करेंगे। खेल सचिवालय में प्रदेश के लोकप्रिय सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर के साथ बैठक कर श्रीमती आर्या ने सभी को ब्लॉग, फेसबुक, यूट्यूब, इंस्टाग्राम एकाउंट्स के जरिए राष्ट्रीय खेलों का कंटेंट तैयार करने को कहा। खेल मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों को जन आयोजन बनाने के लिये प्रदेश के हर नागरिक को उत्तराखंड के एंबेस्डर के रूप में अपनी भूमिका निभानी होगी।

कार्रवाई

घरेलू गैस सिलिंडरों के व्यावसायिक दुरुपयोग को रोकने के लिए उत्तरकाशी में पूर्ति विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। धरासू बैंड के आसपास स्थित होटल, ढाबों और रेस्टोरेंट पर छापेमारी कर 14 प्रतिष्ठानों का चालान काटा गया, जिसमें कुल 29 हजार 250 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जिला पूर्ति अधिकारी संतोष भट्ट ने बताया कि घरेलू सिलिंडरों का व्यावसायिक उपयोग पूरी तरह अवैध है और आगे भी ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रेलगाड़ी

कुंभ मेले के लिए रेलवे 13 हज़ार रेलगाड़ियां चलाएगा। इनमें 3 हज़ार विशेष रेलगाड़ियां होंगी। ये रेलगाड़ियां महाकुंभ के दौरान 50 से अधिक दिनों तक चलेंगी। इनमें मेले के बाद के दो–तीन दिन भी शामिल हैं। महाकुंभ में लगभग 40 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी, शशिकांत त्रिपाठी ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुगम और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने व्यापक प्रबंध किए हैं।

मौसम

राज्य में मौसम कल एक बार फिर से करवट बदल सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून से प्राप्त जानकारी के अनुसार चम्पावत, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर को छोड़कर कल राज्य के अन्य हिस्सों में हल्की बारिश और कहीं–कहीं बर्फबारी हो सकती है। विभाग के अनुसार लगभग तीन हजार से अधिक ऊंचाई वाले हिस्सों में हिमपात की संभावना है। हालांकि सात जनवरी को अधिकतर स्थानों में मौसम साफ बना रहेगा। इस बीच, राज्य में आज मौसम साफ बना है। हालांकि, पर्वतीय क्षेत्र में कई स्थानों पर पाला गिरने से सुबह और शाम के वक्त ठण्ड महसूस की जा रही है।

दुर्घटना

उत्तरकाशी जिले की मोरी तहसील के जाखोल–फिताडी मोटर मार्ग पर फिताड़ी वैचा तोक के पास एक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मृत्यु हो गई और चार अन्य घायल हो गए। एसडीआरएफ, पुलिस और प्रशासन के सहयोग से घायलों को रेस्क्यू किया गया और नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया।

उधर, रुद्रप्रयाग में कल रात गौरीकुंड और बदरीनाथ राजमार्ग को जोड़ने के लिये अलकनंदा नदी पर बनाये जा रहे पुल पर काम करने के दौरान ट्रॉली का तार टूटने से एक श्रमिक की मृत्यु हो गई और एक अन्य घायल हो गया। इस स्थल पर मौजूद अन्य श्रमिकों को सुरक्षित निकाल लिया गया था।

पहल–फल संरक्षण

बागेश्वर जिले में विलुप्त होने के कगार पर पहुंचे पारंपरिक फलों, खासकर संतरा और माल्टा को पुनर्जीवित करने की दिशा में उद्यान विभाग की बड़ी पहल रंग ला रही है। करीब डेढ़ दशक पहले कपकोट ब्लॉक के रमाड़ी गांव में सूख चुके संतरे के बागानों को अब फिर से फलों से लहलहाते देखा जा सकता है। रमाड़ी का संतरा कभी दिल्ली तक लोकप्रिय था, लेकिन जलवायु परिवर्तन और उचित देखभाल की कमी के चलते इसकी पैदावार लगभग समाप्त हो गई थी। इस चुनौती से निपटने के लिए उद्यान विभाग ने वैज्ञानिक पद्धति अपनाते हुए किसानों को प्रशिक्षण दिया, मिट्टी का परीक्षण कराया और सूखे पेड़ों की कटिंग कर उन्हें पुनर्जीवित किया। अपर उद्यान अधिकारी कुलदीप जोशी ने बताया कि विभाग अब प्रतिवर्ष चालीस हजार से अधिक पौधे तैयार कर किसानों को वितरित कर रहा है।

मोबाइल नेटवर्क

सीमांत उत्तरकाशी जिले में संचार व्यवस्था को बेहतर बनाने और दुर्गम क्षेत्रों तक नेटवर्क पहुंचाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में बीएसएनएल अधिकारियों ने बताया कि जिले में 21 टावरों को 4जी नेटवर्क में अपग्रेड करने की मंजूरी मिल चुकी है। बीएसएनएल ने इन 2जी टावरों को 4जी में बदलने का कार्य शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त, 27 नए टावरों की स्थापना का कार्य भी तेजी से प्रगति पर है।

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित इस बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बीएसएनएल अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में दूरसंचार सेवाओं के विस्तार में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि उत्तरकाशी पर्यटन और चारधाम यात्रा के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण जिला है, इसलिए यात्रा मार्गों, मुख्य पड़ावों और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर निर्बाध और उच्च गुणवत्ता वाली संचार सेवाओं की उपलब्धता आवश्यक है।